नवोदय विद्यालय के छात्रों के मूल्य के विभिन्न स्तरों पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

डॉ सुशील कुमार
असिस्टैन्ट प्रोफेसर (शिक्षा संकाय)
बी0एड0 पाठयक्रम, देवनागरी कॉलेज, मेरठ

डॉ सुधीर कुमार
विभागाध्यक्ष (शिक्षा विभाग)
बी0एड0 पाठयक्रम, एस0एस0वी0 कॉलेज हापुड़

सारांशिका

प्रस्तुत शोध पत्र में उ0प्र0 के पश्चिमी संभाग के नवोदय विद्यालय के छात्रो के मूल्यों के विभिन्न स्तरों पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। इस शोध में यह पाया गया कि नवोदय विद्यालय के छात्रों की केवल मौलिक गणित सम्बन्धी शैक्षिक उपलब्धि पर ही मूल्य कारकों का सार्थक प्रभाव पाया गया अर्थात उच्च तथा निम्न मूल्य स्तर वाले दोनों छात्रों की केवल यह शैक्षिक उपलब्धि एक–दूसरे से भिन्न पाई गयी तथा शेष चार शैक्षिक उपलब्धि दोनों की समान पायी गयी अर्थात् मूल्य स्तर का शैक्षिक उपलब्धि पर कोई प्रभाव पड़ता हुआ नहीं पाया गया।

मुख्य शब्द : नवोदय विद्यालय के छात्र, मूल्य स्तर के विभिन्न स्तर, शैक्षिक उपलब्धि।

1. प्रस्तावना : नवोदय विद्यालय प्रतिभा सम्पन्न विधर्थियों की शिक्षा के उददेश्यो को पूरा करने के लिए देश के विभिन्न भागो में स्थापित किये गये है। देश के अच्छे विद्यालय ज्यादातर शहरी क्षेत्रों मे स्थित है। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चो के लिए जो कि प्रायः निर्धन परिवार से होते है इन्हे अच्छे विद्यालयों की सुविधाए या तो उपलब्ध नहीं होती या इनकी पहुँच से बाहर होती है। इन विद्यालयों में 75 प्रतिशत स्थान ग्रामीण तथा 25 प्रतिशत नगरो के छात्रों के लिए होते है। नवोदय विद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की कार्य योजना का एक नूतन प्रयोग है।

इन गति निर्धारक विद्यलायो ने किस प्रकार के सगंठनात्मक परिवारो को विकसित किया है यह अभी तक ज्ञात नहीं हो सका।

2. शोध शीर्षक के महत्वपूर्ण तकनीकी पदो की परिभाषा–

प्रस्तुत शोध कें शीर्षक में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों की कार्यात्मक व्याख्या को निम्नलिखित रूप में अभिव्यक्त किया गया है–

i. **नवोदय विद्यालय के छात्र** : नवोदय विद्यालय के छात्र से अभिप्राय उन छात्रों से है जो शोधकर्ता द्वारा चयनित जनपद में स्थित भारत सरकार द्वारा संचालित नवोदय विद्यालय में कक्षा 11 व 12 में शिक्षा ग्रहण करते हैं।

ii. **मूल्य स्तर** : मूल्य से अभिप्राय व्यक्तिगत मूल्यों से हैं। इस हेतु चयनित शोध उपकरण में प्रयुक्त सभी आठों आयामों यथा (1) धार्मिक मूल्य, (2) सामाजिक मूल्य, (3) सौन्दर्यात्मक मूल्य, (4) शैक्षिक मूल्य, (5) पारिवारिक मूल्य, (6) आर्थिक मूल्य, (7) प्रजातांत्रिक मूल्य तथा (8) शारीरिक मूल्य को सम्मिलित करना है।

iii. **विभिन्न स्तर** : विभिन्न स्तर से अभिप्राय मूल्य स्तर के उस उच्च एवं निम्न स्तर से हैं जो चयनित छात्रों द्वारा सम्बन्धित शोध उपकरण में निर्धारित प्रातांकों के मध्यमान से उच्च एवं निम्न अंक क्रमशः प्राप्त किया जाता हैं।

iv. **शैक्षिक उपलब्धि** : शैक्षिक उपलब्धि से अभिप्राय यह है कि इस हेतु सम्बन्धित शोध उपकरण में प्रयुक्त सभी पाँचो आयामों यथा (1) भाषात्मक उपलब्धि परीक्षण, (2) सामान्य विज्ञान उपलब्धि परीक्षण (3) सामाजिक अध्ययन उपलब्धि परीक्षण (4) कम्प्यूटर उपलब्धि परीक्षण तथा (5) मौलिक गणित उपलब्धि परीक्षण को सम्मिलित करने से है।

3. शोध के प्राप्य उददेश्य

i. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संचालित नवोदय विद्यालय के छात्रों के मूल्यों के उच्च एवं निम्न स्तर पर उनकी विभिन्न प्रकार की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

ii. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संचालित नवोदय विद्यालय के छात्रों के मूल्य स्तर कारकों का बालिकाएँ एवं बालकों, तथा कला एवं विज्ञान छात्रों के संदर्भ में विभिन्न प्रकारों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

iii. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संचालित नवोदय विद्यालय के छात्रों मूल्य स्तर के विभिन्न प्रकार की शैक्षिक उपलब्धि के साथ बालिकाएँ एवं बालकों, कला छात्र एवं विज्ञान छात्रों के लिए सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

4. शोध परिकल्पना

किसी भी समस्या से सम्बन्धित परिकल्पना का निर्माण प्रत्येक शोधकर्ता सामान्य व शून्य परिकल्पना के रूप में कर सकता है। शून्य परिकल्पना को सांख्यिकीय परिकल्पना भी कहते है। प्रस्तुत शोध अपने आप में एक नवीन व महत्त्वपूर्ण अध्ययन है और इस प्रकार के उद्देश्यों को लेकर किए गये अध्ययनों का भी इस सम्भाग में अभी अभाव है। अस्तु प्रस्तुत शोध के लिए शोधकर्ता ने उद्देश्यों की प्रकृति को देखते हुए शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण किया है। जिनका शोध के प्राप्य उद्देश्यों के क्रम में विवरण निम्नवत है–

i. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संचालित नवोदय विद्यालय के छात्रों के मूल्य स्तर का बालिकाएं एवं बालकों तथा कला एवं विज्ञान छात्रों के संदर्भ में शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान प्राप्तांकों के बीच सार्थक अन्तर नहीं है।

ii. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संचालित नवोदय विद्यालय के

छात्रों के मूल्य के उच्च एवं निम्न स्तर पर उनकी विभिन्न प्रकारों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान प्राप्तांकों के बीच सार्थक अन्तर नहीं है।

iii. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संचालित नवोदय विद्यालय के छात्रों के मूल्य स्तर का शैक्षिक उपलब्धि के साथ बालिकाएँ एवं बालकों, कला छात्र एवं विज्ञान छात्रों के लिए प्राप्तांकों के बीच सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं हैं।

5. शोध समस्या का सीमांकन :

प्रस्तावित शोध का कार्य क्षेत्र उ0प्र0 के अर्थ एवं संख्या प्रभाग द्वारा आर्थिक स्थिति के आदार पर वर्गीकरत ऊ0प्र0 के कुल 26 जनपद है इनमें से दो जनपदों में नवोदय विद्यालय स्थित नहीं है शेष बचे 24 जनपदों में से 8 जनपद मुजफ्फरनगर,मेरठ सहारनपुर, बागपत, बिजनौर, बदायु, अमरोहा, लिये गये है। उपरोक्त जनपदों में स्थित प्रत्येक नवोदय विद्यालय से 64 छात्र लेकर कुल 512 छात्रों तक ही शोध को सीमित किया गया है।

6. अध्ययन विधि :

प्रस्तुत शोध में मुख्य रूप से सर्वेक्षणात्मक अनुसन्धान प्ररचना के अधीन'' वर्णनात्मक अनुसन्धान शोध विधि के अन्तर्गत'' विश्लेषणात्मक शोध प्रविधि'' को अपनाया गया है।

7. शोध उपकरण :

शोधार्थी ने नवोदय विद्यालय के छात्रों के मूल्य के विभिन्न स्तरों पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के लिए उत्तर दाताओ से जानकारी प्राप्त करने हेतु डॉ0 के0आर0 शर्मा द्वारा निर्मित मूल्य मापनी का उपयोग किया है। यह उपकरण उसके निर्माता द्वारा प्रमापीकृत है। इसकी विश्वसनीयता 0.70 एवं वैधता 0.85 उसके निर्माता द्वारा सार्थक रूप से प्राप्त की गई है जो शोध की दृष्टि से मान्य मानी जाती है।

9. परिणामों का विश्लेषण एवं व्याख्या :

शोधार्थी द्वारा किया गया कोई भी शोध कार्य सही अर्थो में तभी प्रतिबिम्बित होता है जब शोधार्थी द्वारा उस समस्या की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया जाये। इसके लिए यह आवश्यक है कि शोधार्थी द्वारा शोध अध्ययन में उपयोग किये गये उपकरण द्वारा प्राप्त जानकारी को व्यवस्थित क्रम में सारणी बद्ध किये गये है जो निम्नानुसार है।

तालिका–1
उच्च एवं निम्न मूल्य वाले छात्रों के बीच शैक्षिक उपलब्धि आयामों पर मध्यमान अंतर की सार्थकता का प्रदर्शन

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण के आयाम	उच्च मूल्य			निम्न मूल्य			टी–मूल्य	परिणाम	परिणाम
	एन	मध्यमान	एस. डी	एन	मध्यमान	एस. डी		सार्थकता स्तर 5%	सार्थकता स्तर 1%
1. भाषा	246	6.28	1.83	266	6.10	1.79	1.23	असार्थक	असार्थक
2. सामान्य विज्ञान	246	6.32	1.75	266	6.06	1.71	1.63	असार्थक	असार्थक
3. सामाजिक अध्ययन	246	6.27	1.71	266	6.00	1.70	1.81	असार्थक	असार्थक
4. कम्प्यूटर	246	6.15	1.75	266	5.92	1.81	1.44	असार्थक	असार्थक
5. मौलिक गणित	246	4.92	1.81	266	4.23	1.63	4.51	सार्थक	सार्थक

तालिका मान सार्थकता स्तर 5 : पर 1.96,
सार्थकता स्तर 1 : पर 2.57

ग्राफ–1
उच्च एवं निम्न मूल्य वाले छात्रों के बीच शैक्षिक उपलब्धि आयामों पर मध्यमान अंकों का ग्राफीय निरूपण

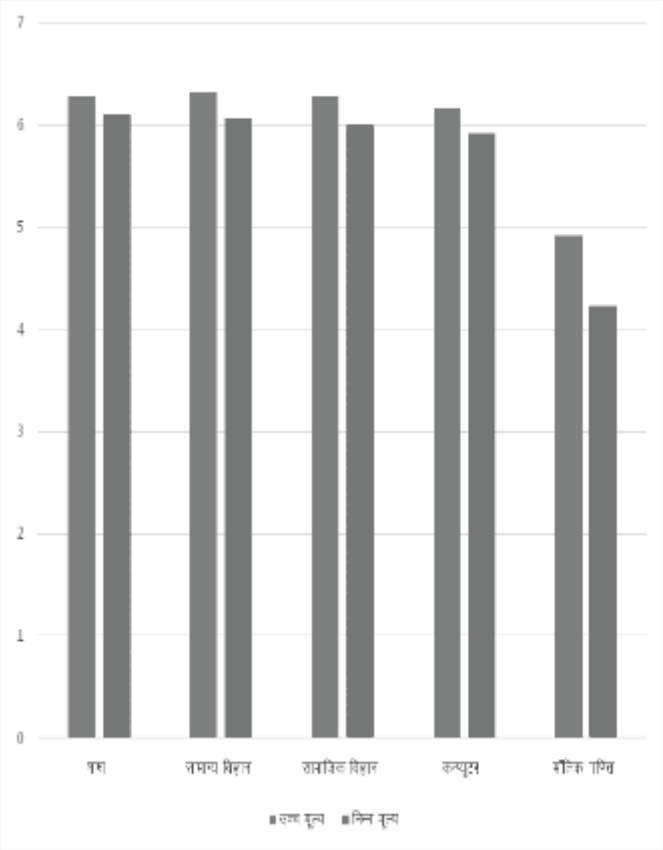

तालिका 2
शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण की विश्वसनीयता एवं वैधता का प्रदर्शन
एन=512

शैक्षिक उपलब्धि परीक्षा के आयाम	विश्वसनीयता		वैधता	
	मूल्य	परिणाम	मूल्य	परिणाम
1. भाषा	0.42	सार्थक	0.64	सार्थक
2. सामान्य विज्ञान	0.43	सार्थक	0.63	सार्थक
3. सामाजिक अध्ययन	0.41	सार्थक	0.64	सार्थक
4. कम्प्यूटर	0.47	सार्थक	0.66	सार्थक
5. मौलिक गणित	0.45	सार्थक	0.88	सार्थक
सम्पूर्ण	**0.60**	**सार्थक**	**0.69**	**सार्थक**

ग्राफ–2
शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण की विश्वसनीयता एवं वैधता का प्रदर्शन
एन=512

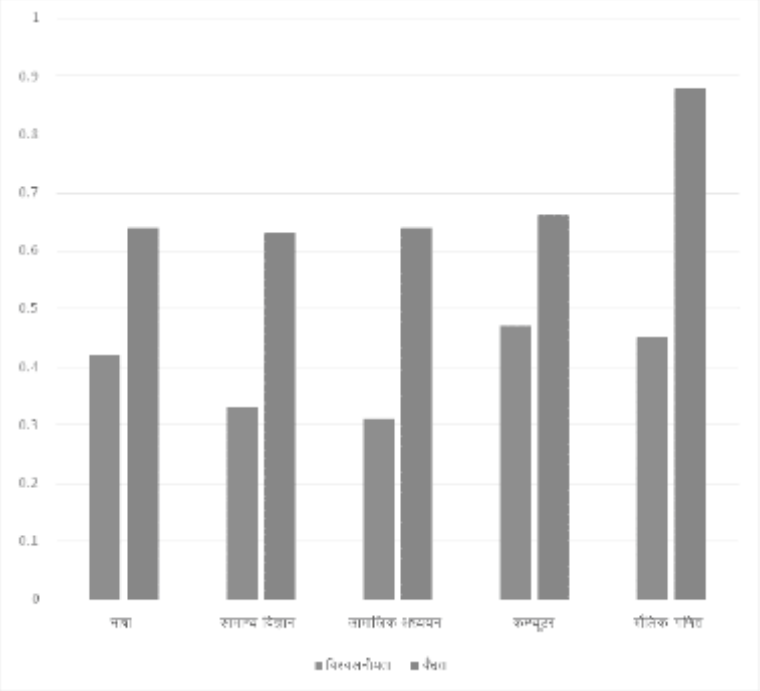

10. विश्लेषण एवं व्याख्या :

उपरोक्त तालिका 1 के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि ''शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण'' के चार आयामों यथा– (1) भाषा, (2) सामान्य विज्ञान, (3) सामाजिक अध्ययन तथा (4) कम्प्यूटर पर नवोदय विद्यालय के छात्रों के दोनों समूहों अर्थात उच्च मूल्य वाले छात्रों तथा निम्न मूल्य वाले छात्रों के टी–मूल्य और उसके परिणाम तथा विश्वास के दोनों स्तर 95 प्रतिशत व 99 प्रतिशत पर डी0एफ0 = 510 के लिए अपने सम्बन्धित टी–तालिका मूल्य 1.96 तथा 2.57 से कम होने के कारण असार्थक है। इससे यह अर्थ निकलता है कि अध्ययन हेतु इस सम्बन्ध में बनायी गयी शून्य परिकल्पना 1 ''पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संचालित नवोदय विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर मूल्यों के उच्च एवं निम्न स्तर का सार्थक प्रभाव नहीं है'' स्वीकृत की जाती है। जिसका अभिप्राय यह है कि नवोदय विद्यालय के छात्रों के दोनों समूहों, उच्च मूल्य के छात्रों तथा निम्न मूल्य के छात्रों के बीच अध्ययन में प्रयुक्त ''शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण'' के इन चार आयामों पर सार्थक अन्तर नहीं है अर्थात दोनों समूह के छात्रों की उपलब्धि इन आयामों पर समान है। केवल मौलिक गणित सम्बधी शैक्षिक उपलब्धि पर ही मूल्य स्तर कारकों का सार्थक प्रभाव पाया गया। उपरोक्त टी–मूल्य के परिणाम की मीमांसा यह भी है कि मनोवैज्ञानिक निर्धारक के रूप में लिये गये स्वतंत्र चर–मूल्य को आश्रित चर–नवोदय विद्यालय के छात्रों के ''शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण'' के उपरोक्त चारों आयामों को प्रभावित करने के सम्बन्ध में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया अस्तु मूल्य का इन आयामों पर प्रभाव नहीं था।

11. निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध अध्ययन की प्राप्ति यह है कि अध्ययन उद्देश्य–1 के सम्बन्ध में बनायी गयी शून्य उप–परिकल्पना–1 स्वीकृत की गयी क्योंकि नवोदय विद्यालय के छात्रों की केवल मौलिक गणित सम्बन्धी शैक्षिक उपलब्धि पर ही मूल्य स्तर कारकों का सार्थक प्रभाव पाया गया, अर्थात् उच्च तथा निम्न मूल्य स्तर वाले दोनों छात्रों की केवल यह शैक्षिक उपलब्धि एक–दूसरे से भिन्न पायी गयी तथा शेष चार शैक्षिक उपलब्धि दोनों की समान पायी गयी।

12. सन्दर्भ सूची :

1. **इण्डिया, मिनिस्ट्री** : नैशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन–1992 नई दिल्ली, द मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन गर्वमेन्ट ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली, 1992।
2. **उपाध्याय, मृत्युंजय** : स्कूली छात्रों में सांस्कृतिक मूल्यों की शिक्षा, अध्यापक साथी, एन०सी०टी०ई० अंक–1, नई दिल्ली, 4 नवम्बर 2005।
3. **चड्ढ़ा, सतीश चन्द्र** : एजुकेशनल वेल्यूज एण्ड वेल्यू एजुकेशन, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ, 2007।
4. **थेकमालाई, एस०एस०** : दि विलेज कम्यूनिटी एण्ड दि वैल्यूज ऑफ कम्यूनिटी डवलपमेन्ट प्रोग्राम, वोल्युन्ट्री डवलपमेन्ट 18 (11–12) नवम्बर–दिसम्बर।
5. **पटेल, एस०पी०** : कुरिकुलम गाइड ऑन वर्क एक्सपीरियन्स फॉर क्लास 6–8 ऑफ नवोदय विधालयाज, एन०सी०ई०आर० टी०, नई दिल्ली, 1987।
6. **पाण्डेय, रामशकल व मिश्र, करूणा शंकर** : मानवाधिकार और मूल्य शिक्षण, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ, 2007।
7. **कार्टर, वी०जी०** : इन्ट्रोक्सन टू एजुकेशनल रिसर्च (सैकण्ड एडीसन) एप्पलटन– क्रोफ्ट्स, न्यूयार्क, 1963।
8. **शर्मा, बी०एल०** : पर्यावरण और मानव मूल्यों के लिए शिक्षा, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ, 2006।
9. **लेविन, रिचार्ड आई०** : स्टेटिस्टिक्स फोर मैनेजमैन्ट, प्रेन्टाइस हाल, न्यू दिल्ली, 1979।